Ban on recruitment in the Railways

3681. SHRI H. HANUMANTHAPPA : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether there is a ban on recruitment in Railways ;

(b) if so, in what manner the Railways are managing the safety areas ; and

(c) whether the ban has affect d the filling up of back-log in case of SC/STs ?'

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN) : (a) No, Sir. However, instructions have been issued in December, 1991 that for the next two years 25% of the direct recruitment vacancies in the categories of Office Clerks in scale Rs. 950-1500 and Senior Clerks in scale Rs. 1200-2040 and 20% in the case of vacancies in the categories of Accounts Clerks in scale' Rs. 950-1500 and Junior Accounts Assistants in scale Rs. 1200-2040 should not be filled up in all departments and these should be frozen.

(b) The limited ban as in reply to Part (a) dees not apply to safety categories.

(c) This may effect marginally, if at all, only in ministerial categories.

3682. [*Transferred to 21th March,* 1992].

Bombay Urban Transport Project

3683. SHRI PRAMOD MAHA JAN : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) what is the allocation made to Government for suburban Railway part of second Bombay Urban Transport Project (BUTP-II) ; and

(b) what steps Government are aking to complete the suburban Railway Part of (BUTP-II) ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN) : (a) and (b) Out of the sub-urban railway projects included in BUTP-II, only one project *viz.* 'Additional pair of lines between Bandra and Andheri' has been taken up. Allocation for this project for 1992-93 is Rs. 14 i crores and it is expected to be commissioned for traffic during 1993.

Use of Railway land in Bombay for commercial purposes

3684. SHRI PRAMOD MAHAJAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) what are the plans of Railways to use the railway land in Bombay for commercial purpose ;

(b) whether the money earned by this commercial exploitation would be used for Bombay only ; and

(c) if not, what are the reasons therefor ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN) : (a) and (b) The proposal to put the Railway land in Bandia in Bombay to commercial exploitation with a view to generate additional resources for Railways' developmental projects is in an initial stage- This is a pilot project.

(c) Does not arise.

रेलवे का आधुनिकीकरण

3685. श्री राम अवधेश सिंह : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान उनके मंत्रालय द्वारा संचालित कारखानों, रेल लाइनों, इंजनों, रेल डिब्बों के आधुनिकीकरण पर किये जाने वाले व्यय के ब्यौरे सहित रेलवे के

आधुनिकीकरण पर कितना व्यय किये जाने का प्रस्ताव है; और

(ख) जो देशी और विदेशी कंपनियां रेलवे के लिये कारखाने चलाएंगी उनका और उन पर होने वाले व्यय का ब्यौरा क्या है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) और (ख) आठवीं पंचवर्षीय योजना को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

रेलवे द्वारा किया गया आयात

3686. **श्री राम अवधेश सिंह** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान किन-किन देशों से और किन-किन कंपनियों अथवा पार्टियों से कितनी-कितनी मात्रा में किस-किस सामान का आयात किया गया हैं ;

(ख) क्या यह सच है कि रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष, सचिव और मंत्रालय ने विदेशों से किये जा रहे इन सौदों को एल–I की कई पार्टियों को न देकर एल–II पार्टियों को दे दिया; यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या हैं; और

(ग) रेलवे ने देशी कंपनियों से कौन-कौन सी चीजें खरीदी हैं, और दो करोड़ रुपये से अधिक के सौदों, जिनमें सेवायें भी शामिल हैं का ब्यौरा क्या है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) पिछले तीन वर्षों के दौरान रेलों ने विभिन्न देशों जैसे यू०के०, फ्रांस, इटली, पोलैण्ड, रोमानिया, ब्राजील, दक्षिण कोरिया, संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, बेल्जीयम, चेकोस्लावाकिया, आस्ट्रिया, आदि से सामान का आयात किया है । पिछले 3 वर्षों में किया गया आयात इस प्रकार है :–

वर्ष	आयात का सी०आई० एफ० मूल्य (लगभग)
1988–89	206 करोड़ रुपये
1989–90	228 करोड़ रुपये
1990–91	235 करोड़ रुपये

बड़ी खरीद (10 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य) के आयात का ब्यौरा (विवरण–I **(नीचे देखिये)** में दिया गया है।

(ख) तकनीकी उपयुक्तता, फर्मों द्वारा पेश की गई सुपुर्दगी अनुसूची की उपयुक्तता, फर्मों की माल के निर्माण/ और उसकी आपूर्ति की क्षमता और सामर्थ्य, वाणिज्यिक शर्तों में प्रमुख परिवर्तन कर सकने की गुंजाइश, दरों की व्यावहारिकता आदि जैसे विभिन्न पहलुओं पर विचार कर लेने के बाद खरीद की जाती हैं।

(ग) रेलों द्वारा की गई खरीद का ब्यौरा, आवधिक रूप से प्रकाशित किये जाने वाले भंडार बुलेटिनों और प्रकाशन नियंत्रक, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित किये जाने वाले इंडियन ट्रेड जर्नल में भी दिया जाता है। बहरहाल, पिछले 3 वर्षों के दौरान स्वदेशी सप्लायरों से (10 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य) कुछ बड़ी खरीद का ब्यौरा विवरण–II में दिया गया है।